सर्वनाम → विकारी (02)

सर्व + नाम (सबका नाम)
(सबका) + (नाम)

परिभाषा: संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द सर्वनाम होते हैं।

उदा: सावन मास में शिव का पूजन किया जाता है और ~~शिव~~ ~~भगवान~~ इस माह सबसे ज्यादा प्रसन्न होते हैं। इसलिए ~~शिव भगवान~~ उनकी पूजा की जाती है।
वे

विशेष
(1) वाक्य को सुंदर बनाने के लिए संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।
(2) संज्ञा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।

सर्वनाम

(1) मौलिक/मूल सर्वनाम
हिंदी में मूल सर्वनाम - (11)

(2) प्रयोग व व्याकरण के आधार पर सर्वनाम → (6)

✳ हिंदी में सर्वनाम के भेद - (6)

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम → मैं, तू
(2) निश्चयवाचक सर्वनाम → यह, वह
(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम → कोई, कुछ
(4) प्रश्नवाचक सर्वनाम → कौन, क्या
(5) संबंध वाचक सर्वनाम → जो, सो
(6) निज वाचक सर्वनाम → स्वयं, अपने-आप, खुद (1)

(2) (2) (2) (2) (2) → हिन्दी में मूल सर्वनाम (11)

पुरुषवाचक सर्वनाम: यह सर्वनाम तीनों पुरुषों का बोध कराता है।
↳ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं -

(प्रथम पु०) उत्तम पुरुष (वक्ता) → मैं, हम, हमारे, मुझे, मुझको
(द्वितीय पु०) मध्यम पुरुष (श्रोता) → तू, तुम (आप)
(तृतीय पु०) अन्य पुरुष (जिसके बारे में वक्ता और श्रोता बात कर रहे हो)
↳ वे, वह, ये, यह

* मैं अपनी जिम्मेदारी समझता हूँ। (उत्तम पु०)
* तुम कम बात किया करो (मध्यम पु०)
* वह अच्छा इंसान है। (अन्य पु०)
* उन्होंने मुझे कल एक कविता सुनाई (अन्य पु०)
* आप अपना काम कीजिए (मध्यम पु०)
* वह पढ़ने में कमजोर है। (अन्य पु०)
* वह दीपावली पर आएगा। (अन्य पु०)
*